भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3001
(उत्तर देने की तारीख 13.08.2026)

सीएसआईआर अभिशासन और अनुसंधान का सुदृढ़ीकरण

3001 डॉ. अजित माधवराव गोपछड़े:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के व्यवसायीकरण में तेज़ी लाने हेतु सीएसआईआर प्रयोगशालाओं और उद्योग के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने के लिए संरचनात्मक सुधार करने का विचार रखती है:

(ख) क्या सरकार ने वैश्विक सर्वोत्तम परिपाटियों, विशेष रूप से राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों को नियंत्रित करने वाले दक्षिण कोरिया के सांविधिक ढाँचे का अध्ययन किया है;

(ग) क्या सरकार सीएसआईआर के अभिशासन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन, उद्योग के साथ साझेदारी, निष्पादन जवाबदेही और सार्वजानिक रूप से वित्तपोषित अनुसंधान के व्यवसायीकरण को समाहित करने वाला एक व्यापक विधान अधिनियमित करने का विचार रखती है; और

(घ) क्या सरकार ने केन्द्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा सीएसआईआर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के अनिवार्य मुल्यांकन, अंगीकरण और विस्तार को सुनिश्चित करने हेतु समग्र सरकारी तंत्र सृजित किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) सीएसआईआर ने अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण के लिए अपनी घटक प्रयोगशालाओं, शिक्षा जगत, उद्योग और अन्य हितधारकों के बीच समन्वय को बढ़ावा देने के लिए संस्थागत तंत्र स्थापित किए हैं । सीएसआईआर, अपनी घटक प्रयोगशालाओं/संस्थानों के माध्यम से, पारस्परिक हित और पूरक विशेषज्ञता के क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के लिए शिक्षाविदों और उद्योग के साथ सहयोग करता है । उद्योग की भागीदारी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, प्रौद्योगिकियों के लाइसेंसिंग, अनुबंध अनुसंधान, परामर्श, सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास और सीएसआईआर द्वारा विकसित

प्रौद्योगिकियों तथा उत्पादों को अपनाने की सुविधा के लिए प्रयोगशाला स्तर और सीएसआईआर मुख्यालय दोनों पर समर्पित व्यवसाय विकास समूह (बीडीजीज़) कार्यरत हैं।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और वाणिज्यीकरण गतिविधियों को एक संरचित ढांचे के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है, जिसमें उद्योग भागीदारों की पहचान, प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग समझौतों का निष्पादन, बौद्धिक संपदा प्रबंधन, प्रौद्योगिकी अवशोषण के दौरान तकनीकी सहायता (हैंडहोल्डिंग), और जहां कहीं भी आवश्यक हो, हस्तांतरण-पश्चात सहायता शामिल हैं। सीएसआईआर प्रयोगशालाएं उद्योग की पहुंच बढ़ाने और वाणिज्यीकरण की सुविधा के लिए प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों, उद्योग संवादों, क्रेता-विक्रेता सम्मेलनों, प्रौद्योगिकी प्रदर्शनियों, स्टार्टअप सम्मेलनों, नवाचार कार्यशालाओं और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी प्रदर्शनियों में भागीदारी के माध्यम से उद्योग के साथ नियमित रूप से सहभागिता भी बनाए रखती हैं। इसके अतिरिक्त, चयनित सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में स्थापित ऊष्मायन केंद्र (इंक्यूबेशन सेंटर) विशिष्ट अनुसंधान एवं विकास बुनियादी ढांचे, प्रोटोटाइपिंग और पायलट-स्केल सुविधाओं, उन्नत विश्लेषणात्मक और परीक्षण उपकरणों, वैज्ञानिक और तकनीकी मार्गदर्शन, परामर्श सेवाओं, बौद्धिक संपदा सुविधा, क्षमता निर्माण, उद्यमिता सहायता और निवेशकों, उद्योग तथा अन्य नवाचार हितधारकों के साथ नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करके नवाचार-आधारित उद्यमों के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं। ये पहल अनुसंधान परिणामों को वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों और उत्पादों में बदलने की सुविधा प्रदान करती हैं।

(ख) राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के कामकाज को सुदृढ़ करने के लिए, सरकार वैश्विक सर्वोत्तम परिपाटियों का निरंतर अध्ययन करती है और जहाँ कहीं भी उपयुक्त समझा जाए, प्रमुख अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्रों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रथाओं सहित उनसे प्रेरणा लेती है।

(ग) और (घ) स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को अपनाने और उनके वाणिज्यीकरण को सुगम बनाने के उद्देश्य से अनुसंधान साझेदारी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, लाइसेंसिंग समझौतों, पायलट प्रदर्शनों, परामर्श तथा क्षमता निर्माण पहलों के माध्यम से केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, उद्योग, शिक्षा जगत और अन्य हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करता है। सीएसआईआर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को अपनाने का कार्य संबंधित उपयोगकर्ता एजेंसियों द्वारा उनकी कार्यात्मक आवश्यकताओं तथा तकनीकी-वाणिज्यिक विचारों (टेक्नो- कॉमर्शियल कंसीडरेशन्स) के आधार पर किया जाता है।

*****